आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–19 मार्च 2026 सान्ध्य समाचार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज अयोध्या धाम स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना कर श्रीरामलला का दर्शन पूजन किया। इस दौरान वैदिक मंत्रों के बीच आज मंदिर की दूसरी मंजिल पर श्री राम यंत्र स्थापित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने अपने सम्बोधन में कहा कि देश सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मोर्चे पर पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर इस पुनर्जागरण का प्रतीक है। राष्ट्रपति ने कहा कि हम सभी एक समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र के निर्माण की दिशा में आगे बढ रहे हैं।

हम सभी एक समावेशी समाज और विकसति राष्ट्र के निर्माण की दिशा में आगे बढ रहे हैं। प्रभू श्रीराम के आशीर्वाद से बस 2047 या शायद उससे पहले ही आप उन लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे। 21वीं सदी में हमारे समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र की परिकल्पना रामराज्य के बंधन में प्राप्त होती है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का भारत न केवल एक नया भारत है बल्कि एक बदलता हुआ भारत भी है।

यह नया भारत है और बदलता हुआ भारत भी है। अब वर्तमान पीढ़ी जिसके बारे में लोग कहते थे ये दिग्भ्रमित है लेकिन वह दिग्भ्रमित नही है, वह सही दिशा में जा रहा है। नया वर्ष मनाता है तो मंदिरों में जाता है। परिवार के साथ जाता है और यही उसके संस्कार हैं।

हमारे संवाददाता ने बताया है कि श्रीमती मुर्मु ने मंदिर निर्माण से जुड़े श्रमिकों को सम्मानित भी किया।

राष्ट्रपति ने मंदिर निर्माण से जुडे श्रमिकों को भी सम्मानित किया। आध्यात्मिक गुरु माता अमृतानानंदमयी ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के विभिन्न संतों के साथ इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। आज जिस श्रीराम यंत्र की पूजा की गई, उसे दो साल पहले अयोध्या लाया गया था और यह कांची कामकोटी पीठ द्वारा भेंट किया गया था। वैदिक गणित और ज्यामितीय आकृतियों पर आधारित, ये यंत्र एक पवित्र प्रतीक माना जाता है, जिसके बारे में माना जाता है कि यह दिव्य ऊर्जा और सकारात्मक आध्यात्मिक स्पंदनों को प्रवाहित करता है। सुशील चंद्र तिवारी, आकाशवाणी समाचार, अयोध्या।

राष्ट्रपति आज से उत्तर प्रदेश के तीन दिन के दौरे पर हैं।

****

केन्द्र सरकार की ओर से टोल अनुपालन और डिजिटल प्रर्वतन को सशक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियम–2026 के संशोधन को लेकर अधिसूचना जारी की गयी है। एक रिपोर्ट–

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि यह संशोधन बकाया उपभोक्ता शुल्क के मामलों में एक संरचित रिकवरी तंत्र प्रदान करता है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर उपभोक्ता शुल्क की कुशल और पारदर्शी वसूली सुनिश्चित करना भी है। नियम–14 के अंतर्गत अधिसूचित बकाया उपयोगकर्ता शुल्क की रिकवरी के लिए संरचित तंत्र में प्रौद्योगिक संचालित इलेक्ट्रॉनिक ई–नोटिस प्रणाली शामिल है। इस प्रणाली में पंजीकृत वाहन मालिकों को वाहन विवरण, तिथि और स्थान तथा देय धनराशि निर्दिष्ट करना होगा। संशोधन के अनुसार एक ई–नोटिस के जवाब में बकाया देय उपभोक्ता शुल्क वास्तविक टोल शुल्क का दुगुना होगा। रिशु की रिपोर्ट के साथ समाचार कक्ष से मैं प्राची।

****

विदेश मंत्रालय की तथ्य जांच इकाई ने सोशल मीडिया पर चल रहे उन दावों का खंडन किया है जिनमें भारत और ईरान के बीच टकराव की बात कही गई है। तथ्य जांच इकाई ने इस दावे को फर्जी बताया है।

****

चैत्र नवरात्र के पहले दिन आज सुबह से ही प्रदेश भर के शक्तिपीठों और देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी हुयी है। बलरामपुर के देवीपाटन, मिर्जापुर के मां विन्ध्यवासिनी शक्तिपीठ, गोरखपुर के तरकुलहा देवी और बुढ़िया माई मंदिर, महरागंज जिले में स्थित लेहड़ा देवी मंदिर और जौनपुर में माता शीतला चौकिया धाम सहित विभिन्न जिलों के देवी मंदिरों में सुबह से ही मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप माता शैलपुत्री की पूजा–अर्चना की जा रही है। विन्ध्याचल धाम में मां विन्ध्यवासिनी मंदिर में कल देर रात से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है।

माँ विन्ध्यवासिनी की जय–जयकारों के बीच प्रसिद्ध शक्तिपीठ विन्ध्याचल मे वासंतिक नवरात्र मेला प्रारंभ हो चुका है। कल से ही श्रद्धालुओं के विन्ध्याचल पहुंचने का सिलसिला अभी भी जारी है। भोर मे कलश स्थापना व मंगला आरती के बाद जैसे ही मंदिर के कपाट खुले समूची विन्ध्य नगरी घंटा घड़ियाल के साथ मां के जय–जयकारों से गूंज उठी। विभिन्न प्रांतों व जनपदों से बड़ी संख्या मे आये श्रद्धालु गंगा स्नान कर मां विन्ध्यवासिनी , माँ अष्टभुजा, माँ काली व माँ तारा देवी का दर्शन, पूजन कर त्रिकोण परिक्रमा पूरी कर रहें हैं। नवरात्र पर्व के अवसर पर सभी मंदिरों को बड़े आकर्षक ढंग से सजाया गया है। एस एम सबा आकाशवाणी समाचार विन्ध्याचल।

****

मौसम विभाग ने आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अनेक स्थानों पर, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं कहीं वर्षा और गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जतायी है। विभाग के मुताबिक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कल भी आज जैसी ही स्थिति रहेगी। वहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश में कल कुछ स्थानों पर बारिश और गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

****